उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा -पाठ्यक्रम (उच्च प्राथमिक स्तर)
पेपर II (कक्षा VI से VIII के लिए)

1. बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ **30 प्रश्न**

क) विषय- वस्तु

बाल विकास :-

- बाल विकास का अर्थ , आवश्यकता तथा क्षेत्र ,बाल विकास की अवस्थाएं ,शारीरिक विकास मानसिक विकास संवेगात्मक विकास भाषा विकास - अभिव्यक्ति क्षमता का विकास ,सृजनात्मकता एवं सृजनात्मकता क्षमता का विकास |
- बाल विकास के आधार एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक - वंशानुक्रम , वातावरण। (पारिवारिक ,सामाजिक ,विद्यालयीय , संचार माध्यम)

सीखने का अर्थ तथा सिद्धांत:-

- अधिगम(सीखने) का अर्थ प्रभावित करने वाले कारक , अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ ।
- अधिगम के नियम - थार्नडाइक के सीखने के मुख्य नियम एवं अधिगम में उनका महत्त्व ।
- अधिगम के प्रमुख सिद्धांत तथा कक्षा शिक्षण मे इनकी व्यावहारिक उपयोगिता , थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धांत , पैवलव का सम्बद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धांत ,स्किनर का क्रिया प्रसूत अधिगम सिद्धांत ,कोहलर का सूझ या अंतर्दृष्टि का सिद्धांत ,पियाजे का सिद्धांत व्योगास्की का सिद्धांत , सीखने का वक्र -अर्थ एवं प्रकार, सीखने में पठार का अर्थ और कारण एवं निराकरण ।

शिक्षण एवं शिक्षण विधियाँ

- शिक्षण का अर्थ तथा उद्देश्य , सम्प्रेषण , शिक्षण के सिद्धांत , शिक्षण के सूत्र ,शिक्षण प्रविधियाँ , शिक्षण की नवीन विधाएं (उपागम),सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के आधारभूत कौशल ।

समावेशी शिक्षा – निर्देशन एवं परामर्श

- शैक्षिक समावेशन से अभिप्राय , पहचान ,प्रकार ,निराकरण ,यथा: अपवंचित वर्ग ,भाषा ,धर्म ,जाति ,क्षेत्र ,वर्ण ,लिंग ,शारीरिक दक्षता (दृष्टिबाधित,श्रवणबाधित,एवं वाक्/अस्थिबाधित), मानसिक दक्षता ।
- समावेशन के लिए आवश्यक उपकरण ,सामग्री ,विधियाँ ,टी. एल. एम. एवं अभिवृत्तियाँ ।
- समावेशित बच्चों का अधिगम जाँचने हेतु आवश्यक टूल्स एवं तकनीकी ।
- समावेशित बच्चों के लिए विशेष शिक्षण विधियाँ । यथा - ब्रेललिपि आदि ।
- समावेशी बच्चों हेतु निर्देशन एवं परामर्श - अर्थ, उद्देश्य,प्रकार , विधियाँ , आवश्यकता एवं क्षेत्र
- परामर्श में सहयोग देने वाले विभाग /संस्थाएँ :-
    - ➢ मनोविज्ञानशाला उ. प्र. ,प्रयागराज
    - ➢ मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र (मण्डल स्तर पर)
    - ➢ जिला चिकित्सालय
    - ➢ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षित डायट मेंटर
    - ➢ पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण तंत्र
    - ➢ समुदाय एवं विद्यालय की सहयोगी समितियाँ
    - ➢ सरकारी एवं गैर सरकारी संगठन
- बाल - अधिगम में निर्देशन एवं परामर्श का महत्त्व

ख) अधिगम और अध्यापन :-

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं , बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं ।
- अधिगम और अध्यापन की बुनियादी प्रक्रियाएं , बालकों की अधिगम कार्यनीतियाँ : सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम , अधिगम के सामाजिक संदर्भ ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक ' वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक ।

- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना , अधिगम प्रक्रिया मे महत्त्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना ।
- बोध और संवेदनाएं ।
- प्रेरणा और अधिगम ।
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक - निजी एवं पर्यावरणीय ।

II. भाषा - I

क) हिन्दी (विषय - वस्तु):- **30 प्रश्न**

- अपठित अनुच्छेद ।
- संज्ञा एवं संज्ञा के भेद ।
- सर्वनाम एवं सर्वनाम के भेद ।
- विशेषण और विशेषण के भेद ।
- क्रिया एवं क्रिया के भेद ।
- वाच्य - कर्तृवाच्य ,कर्मवाच्य ,भाववाच्य ।
- हिन्दी भाषा की समस्त ध्वनियों , संयुक्ताक्षरों, संयुक्त व्यंजनों, एवं अनुस्वार एवं चंद्र बिन्दु में अंतर ।
- वर्णक्रम, पर्यायवाची, विपरीतार्थक, अनेकार्थक, समानार्थी शब्द ।
- अव्यय के भेद ।
- अनुस्वार , अनुनासिक का प्रयोग ।
- 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग ।
- वाक्य निर्माण (सरल, संयुक्त एवं मिश्रित वाक्य) ।
- विराम चिन्हों की सही पहचान एवं उपयोग ।
- वचन , लिंग , एवं काल का प्रयोग ।
- तत्सम ,तद्भव ,देशज एवं विदेशी शब्द
- उपसर्ग एवं प्रत्यय ।
- शबदयुग्म ।
- समास , समास विग्रह एवं समास के भेद ।
- मुहवारें एवं लोकोक्तियां ।
- क्रिया सकर्मक एवं अकर्मक ।
- सन्धि एवं सन्धि के भेद (स्वर , व्यंजन एवं विसर्ग सन्धियाँ)
- अलंकार । (अनुप्रास ,यमक ,श्लेष ,उपमा ,रूपक ,उत्प्रेक्षा ,अतिशयोक्ति) ।

ख) भाषा विकास का अध्यापन :-

- अधिगम और अर्जन ।
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत ।
- सुनने और बोलने की भूमिका : भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं ।
- मौखिक एवं लिखित रूप में विचारों के सम्प्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम मे व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्भ ।
- एक भिन्न कक्षा मे भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ , भाषा की कठिनाइयाँ ,त्रुटियाँ ,और विकार ।
- भाषा कौशल ।
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना , पढ़ना ,और लिखना ।
- अध्यापन - अधिगम सामग्रियाँ ; पाठ्यपुस्तक , मल्टीमीडिया सामग्री , कक्षा का बहुभाषायी संसाधन ।
- उपचरात्मक अध्यापन

WWW.EXAMATTENTION.COM

III. भाषा – II

ENGLISH **30 प्रश्न**

क) विषय- वस्तु :-

- Unseen Passage
- Nouns and its Kinds
- Pronoun and its Kinds
- Verb and its Kinds
- Adjective and its Kinds & Degrees
- Adverb and its kinds
- Preposition and its Kinds
- Conjunction and its Kinds
- Intersection
- Singular and Plural
- Subject and Predicate
- Negative and interrogative sentences
- Masculine and Feminine Gender
- Punctuations
- Suffix with Root words
- Phrasal verbs
- Use of Somebody, Nobody, Anybody
- Part of speech
- Narration
- Active voice and Passive voice
- Use of Homophones
- Use of request in sentences
- Silent Letters in words

IV. भाषा - II

उर्दू **30 प्रश्न**

V. भाषा - II

संस्कृत **30 प्रश्न**

क) विषय - वस्तु

- नपुसंकलिंग शब्द । स्त्रीलिंग शब्द । पुल्लिंग शब्द ।
- अपठित अनुच्छेद
- सन्धि - स्वर, व्यंजन ।
- अव्यय ।
- समास ।
- लिंग, वचन एवं काल का प्रयोग ।
- उपसर्ग ।
- पर्यायवाची ।
- विलोम ।

WWW.EXAMATTENTION.COM

- कारक ।
- प्रत्यय ।
- अलंकार ।
- संज्ञाएँ - निम्नवत् सभी शब्दों की सभी विभक्ति एवं वचनों के रूपों का ज्ञानवाच्य ।
    - ➢ पुल्लिंग शब्द ।
    - ➢ स्त्रीलिंग शब्द ।
    - ➢ नपुसंकलिंग शब्द ।
    - ➢ अकारान्त पुल्लिंग ।
    - ➢ आकारन्त स्त्रीलिंग ।
    - ➢ अकारान्त नपुंसकलिंग ।
    - ➢ ईकारान्त स्त्रीलिंग
    - ➢ उकारान्त पुल्लिंग ।
    - ➢ उकारान्त स्त्रीलिंग ।
    - ➢ उकारान्त नपुंसकलिंग ।
    - ➢ ईकारान्त पुल्लिंग ।
    - ➢ ईकारान्त स्त्रीलिंग ।
    - ➢ ईकारान्त नपुंसकलिंग ।
    - ➢ ऋकारान्त पुल्लिंग ।
- सर्वनाम ।
- विशेषण ।
- धातु ।
- क्रियाएं ।

ख) भाषा विकास का अध्यापन :-

- अधिगम और अर्जन ।
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत ।
- सुनने और बोलने की भूमिका भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं ।
- मौखिक एवं लिखित रूप में विचारों के सम्प्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम मे व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्भ ।
- एक भिन्न कक्षा मे भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ , भाषा की कठिनाइयाँ ,त्रुटियाँ ,और विकार ।
- भाषा कौशल ।
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना , पढ़ना ,और लिखना ।
- अध्यापन - अधिगम सामग्रियाँ ; पाठ्यपुस्तक , मल्टीमीडिया सामग्री , कक्षा का बहुभाषायी संसाधन ।
- उपचरात्मक अध्यापन ।

VI. गणित एवं विज्ञान 60 प्रश्न

क) विषय - वस्तु :-

1.गणित 30 प्रश्न

- प्राकृतिक संख्याएँ, पूर्ण संख्याएँ, परिमेय संख्याएँ
- पूर्णांक, कोष्ठक लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक
- वर्गमूल
- घनमूल ।
- सर्वसमिकाएँ ।

WWW.EXAMATTENTION.COM

- बीजगणित, अवधारणा-चर संख्याएँ, अचर संख्याएँ, चर संख्याओं की घात ।
- बीजीय व्यंजकों का जोड़, घटाना, गुणा एवं भाग, बीजीय व्यंजकों के पद एवं पदों के गुणांक, सजातीय एवं विजातीय पद, व्यंजकों की डिग्री, एक, दो एवं त्रिपदीय व्यंजकों की अवधारणा।
- युगपत समीकरण , वर्ग समीकरण , रेखीय समीकरण ।
- समांतर रेखाएं ,चतुर्भुज की रचनाएं , त्रिभुज ।
- वृत्त और चक्रीय चतुर्भुज ।
- वृत्त की स्पर्श रेखाएं ।
- वाणिज्य गणित - अनुपात ,समानुपात ,प्रतिशतता , लाभ -हानि ,साधारण ब्याज ,चक्रवृद्धि ब्याज , कर (टैक्स) वस्तु विनिमय प्रणाली ।
- बैंकिंग -वर्तमान मुद्रा, बिल तथा कैशमेमो ।
- सांख्यिकी - आकड़ों का वर्गीकरण ,पिक्टोग्राफ ,माध्य, मध्यिका एवं बहुलक ,बारंबारता ।
- पाई एवं दण्ड चार्ट , अवर्गीकृत आकड़ों का चित्र ।
- संभावना (प्रायिकता) ग्राफ ,दण्ड आरेख तथा मिश्रित दण्ड आरेख ।
- कार्तीय तल ।
- क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)।
- घातांक ।

(ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे :-

- गणितीय / तार्किक चिंतन की प्रकृति ।
- पाठ्यचर्या में गणित का स्थान ।
- गणित की भाषा।
- सामुदायिक गणित
- मूल्यांकन ।
- उपचारात्मक शिक्षण।
- शिक्षण की समस्याएं।

2- विज्ञान **30 प्रश्न**

क) विषय - वस्तु :-

- दैनिक जीवन में विज्ञान, महत्वपूर्ण खोज, महत्व, मानव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।
- रेशे एवं वस्त्र, रेशों से वस्त्रों तक । (प्रक्रिया)
- सजीव, निर्जीव पदार्थ - जीव जगत, सजीवों का वर्गीकरण, जन्तु एवं वनस्पति के आधार पर पौधों का वर्गीकरण एवं जन्तुओं का वर्गीकरण, जीवों में अनुकूलन, जन्तुओं एवं पौधों में परिवर्तन ।
- जन्तु का संरचना एवं कार्य ।
- सूक्ष्म जीव एव उनका वर्गीकरण ।
- कोशिका से अंगतन्त्र तक ।
- किशोरावस्था, विकलंगता ।
- भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं रोग, फसल उत्पादन, नाइट्रोजन चक्र ।
- जन्तुओं में पोषण ।
- पौधों में पोषण, जनन, लाभदायक पौधे ।
- जीवों में श्वसन, उत्सर्जन, लाभदायक जन्तु ।
- मापन ।
- विद्युत धारा।
- चुम्बकत्व ।

WWW.EXAMATTENTION.COM

- गति, बल एवं यंत्र ।
- ऊर्जा
- कम्प्यूटर ।
- ध्वनि ।
- स्थिर विद्युत ।
- प्रकाश एवं प्रकाश यंत्र ।
- वायु-गुण, संघटन, आवश्यकता, उपयोगिता, ओजोन परत, हरित गृह प्रभाव ।
- जल - आवश्यकता, उपयोगिता, स्रोत, गुण, प्रदूषण, जल- सरक्षण ।
- पदार्थ, पदार्थों के समूह, पदार्थों का पृथक्करण, पदार्थ की संरचना एवं प्रकृति ।
- पास पड़ोस में होने वाले परिवर्तन, भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन ।
- अम्ल, क्षार, लवण ।
- ऊष्मा एवं ताप ।
- मानव निर्मित वस्तुएँ, प्लास्टिक, काँच, साबुन, मृतिका ।
- खनिज एवं धातु ।
- कार्बन एवं उसके यौगिक ।
- ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत ।

ख)अध्यापन संबंधी मुद्दे :-

- विज्ञान की प्रकृति और संरचना ।
- प्राकृतिक विज्ञान / लक्ष्य और उददेश्य ।
- विज्ञान को समझना और उसकी सराहना करना ।
- दृष्टिकोण /एकीकृत दृष्टिकोण ।
- प्रेक्षण / प्रयोग / अन्वेषण । (विज्ञान की पद्धति)
- अभिनवता।
- पाठ्यचर्या सामग्री / सहायता सामग्री ।
- मूल्यांकन ।
- समस्याएं।
- उपचारात्मक शिक्षण ।

VII. सामाजिक अध्ययन व अन्य :- 60 प्रश्न

क) विषय-वस्तु :-

1. इतिहास

- इतिहास जानने के स्रोत ।
- पाषाणकालीन संस्कृति, ताम्र पाषाणिक संस्कृति, वैदिक संस्कृति ।
- छठी शताब्दी ई०पू० का भारत ।
- भारत के प्रारम्भिक राज्य ।
- भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना ।
- मौर्य उत्तरकालीन भारत, गुप्त काल, राजपूतकालीन भारत, पुष्यभूति वंश, दक्षिण भारत के राज्य ।
- इस्लाम का भारत में आगमन ।
- दिल्ली सल्तनत की स्थापना, विस्तार, विघटन ।
- मुगल साम्राज्य, संस्कृति, पतन ।
- यूरोपीय शक्तियों का भारत में आगमन एवं अंग्रेजी राज्य की स्थापना ।
- भारत में कम्पनी राज्य का विस्तार |
- भारत में नवजागरण, भारत में राष्ट्रवाद का उदय ।

WWW.EXAMATTENTION.COM

- स्वाधीनता आन्दोलन, स्वतन्त्रता प्राप्ति, भारत विभाजन ।
- स्वतन्त्र भारत की चुनौतियां ।

II. नागरिक शास्त्र:-

- हम और हमारा समाज ।
- ग्रामीण एवं नगरीय समाज व रहन सहन ।
- ग्रामीण व नगरीय स्वशासन ।
- जिला प्रशासन ।
- हमारा संविधान ।
- यातायात सुरक्षा ।
- केन्द्रिय व राज्य शासन व्यवस्था ।
- भारत में लोकतन्त्र ।
- देश की सुरक्षा एवं विदेश नीति ।
- वैश्विक समुदाय एवं भारत ।
- नागरिक सुरक्षा।
- दिव्यांगता।

III. भूगोल :-

- सौरमण्डल में पृथ्वी, ग्लोब - पृथ्वी पर स्थानों का निर्धारण, पृथ्वी की गतियाँ ।
- मानचित्रण, पृथ्वी के चार परिमण्डल, स्थल मण्डल - पृथ्वी की संरचना, पृथ्वी के प्रमुख ।
- स्थलरूप ।
- विश्व में भारत, भारत का भौतिक स्वरूप, मृदा, वनस्पति एवं वन्य जीव, भारत की जलवायु, भारत के आर्थिक संसाधन, यातायात, व्यापार एवं संचार ।
- उत्तर प्रदेश - भारत में स्थान, राजनीतिक विभाग, जलवायु, मृदा, वनस्पति एवं वन्यजीव कृषि, खनिज उद्योग धन्धे जनसंख्या, एवं नगरीकरण।
- धरातल के रूप, बदलन वाल कारक । (आतारक एव वाहय कारक) ।
- वायुमण्डल, जलमण्डल ।
- संसार के प्रमुख प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन ।
- खनिज संसाधन, उद्योग धन्धें ।
- आपदा एवं आपदा प्रबंधन ।

IV. पर्यावरणीय अध्ययन :-

- पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन एवं उनकी उपयोगिता।
- प्राकृतिक संतुलन ।
- संसाधनों का उपयोग ।
- जनसंख्या वृद्धि का पर्यावरण पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण ।
- अपशिष्ट प्रबन्धन, आपदाएँ, पर्यावरणविद्, पर्यावरण के क्षेत्र में पुरस्कार, पर्यावरण दिवस, पर्यावरण कैलेण्डर ।

V. गृहशिल्प / गृहविज्ञान :-

- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता।
- पोषण, रोग एवं उनसे बचने के उपाय, प्राथमिक उपचार ।
- खाद्य पदार्थों का संरक्षण ।
- प्रदूषण ।
- पाचन सम्बन्धी रोग एवं सामान्य बीमारियाँ
- गृह प्रबन्धन, सिलाई कला, धुलाई कला, पाक कला, बुनाई कला, कढ़ाई कला।

VI. शारीरिक शिक्षा एवं खेल :-

- शारीरिक शिक्षा, व्यायाम, योग एवं प्राणायाम ।

WWW.EXAMATTENTION.COM

- मार्चिंग, राष्ट्रीय खेल एवं पुरस्कार ।
- छोटे एवं मनोरंजनात्मक खेल, अन्तर्राष्ट्रीय खेल ।
- खेल और हमारा भोजन ।
- प्राथमिक चिकित्सा ।
- नशीले पदार्थों के दुष्परिणाम एवं उनसे बचाव का का उपाय, खेलकूद, खेल प्रबन्धन एवं नियोजन का महत्व ।

VII. संगीत :-

- स्वर ज्ञान ।
- राग परिचय ।
- संगीत में लय एवं ताल का ज्ञान ।
- तीव्र मध्यम वाले राग ।
- वन्दना गीत /झण्डा गान ।
- देशगान, देशगीत, भजन ।
    - ➢ वनसंरक्षण / वृक्षारोपण ।
    - ➢ क्रियात्मक गीत ।

VIII. उद्यान विज्ञान एवं फलसंरक्षण :-

- मिट्टी, मृदा गठन, भू-परिष्करण, यंत्र, बीज, खाद उर्वरक **।**
- बाग लगाना, विद्यालय वाटिका ।
- झाड़ी एवं लताएँ, शोभा वाले पौधे, मौसमी फूल की खेती, फलों की खेती, शाक वाटिका, सब्जियों की खेती
- प्रवर्धन , कायिक प्रवर्धन ।
- जलवायु विज्ञान ।
- फसल चक्र ।

ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे :-

सामाजिक अध्ययन की अवधारणा और पद्धति :-

- कक्षा की प्रक्रियाएं किया और व्याख्यान।
- विवेचित चिंतन का विकास करना ।
- पूछताछ / अनुभवजन्य साक्ष्य ।
- सामाजिक विज्ञान /सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की समस्याएं ।
- प्रोजेक्ट कार्य ।
- मूल्यांकन ।

टिप्पणी:कक्षा 1 से VIII तक की विस्तृत पाठ्यचर्या के लिए कृपया बेसिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का अवलोकन करें**।**

WWW.EXAMATTENTION.COM